Environment & Ecology
Explanation
01 Nov, 6:30 PM (TEST : 02)

1.(b) **कथन 1 असत्य है :** BS-VI मानक को पूरे देश में 1 अप्रैल, 2020 से लागू किया जाएगा।

कथन 2 सत्य है : भारत मानक का निर्धारण केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया जाता है।

2.(b) **कथन 1 सत्य है :** सूर्य से निकलने वाली पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी की सतह पर आने से ओजोन परत रोकती है।

कथन 2 असत्य है : परिवर्तनशील कार्बनिक यौगिक कमरे के सामान्य तापमान पर ही वाष्पीकृत हो जाते हैं।

कथन 3 सत्य है : TEEB अन्तर्राष्ट्रीय रिपोर्ट में जैव-विविधता और आर्थिक समृद्धि के बीच संबंध स्थापित किया जाता है।

कथन 4 सत्य है : वैश्विक तापन हेतु जिम्मेदार गैसों में से कार्बन डाइऑक्साइड प्रमुख गैस है।

3.(b) **कथन 1 असत्य है :** वायु गुणवत्ता सूचकांक में 101-200 का कोड स्तर मध्यम स्थिति का सूचक है, जिससे दिल के मरीजो को सांस लेने में परेशानी होती है।

कथन 2 सत्य है : वायु गुणवत्ता सूचकांक को एक रंग, एक कोड और एक विवरण वाला सूचकांक कहा जाता है।

4.(a) **कथन 1 सत्य है :** पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन, भारतीय उष्ण कटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान ''सफर'' से हवा गुणवत्ता की माप करता है।

कथन 2 असत्य है : 'सफर' इंडेक्स में पाँच(5) प्रकार के विवरणों का उल्लेख किया गया है।

5.(d) **कथन 1 सत्य है :** वर्गीकृत प्रतिक्रिया कार्य योजना (GRAP) उच्चतम न्यायालय से आदेश प्राप्त पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम (EPCA) द्वारा तैयार की गई है।

कथन 2 सत्य है : वायु का स्तर बहुत खराब होने पर वर्गीकृत प्रतिक्रिया कार्य योजना (GRAP) के तहत पार्किंग फीस को बढ़ाना, मैट्रो व बसों की बारम्बारता को बढ़ाना, मीडिया के माध्यम से जागरूक किया जाना आदि शामिल है।

कथन 3 भी सत्य है : GRAP योजना न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय है। चूंकि प्रश्न में असत्य कथन पूछा गया है। अत: अभीष्ट उत्तर (d) होगा।

6.(a) **कथन 1 सत्य है :** कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने के कारण महासागरों का जल अम्लीय होता जा रहा है, जिससे महासागरों की पी.एच. संख्या कम होती जा रही है।

कथन 2 असत्य है : महासागरों के अम्लीय होने से सीपी, घोंघे और मूँगे जैसे जीवों की संख्या में कमी होगी। प्रवाल समाप्त होने लगेंगे। महासागरीय असंतुलन की स्थिति पैदा होगी।

7.(b) **कथन 1 सत्य है :** फ्लाई ऐश सीमेंट, कंक्रीट, सेल्युलर कंक्रीट उत्पाद आदि के विनिर्माण में उपयोग के लिए आदर्श सामाग्री है।

कथन 2 असत्य है : राष्ट्रीय भवन संहिता (NBC) के अनुसार देश में बनने वाली सभी सरकारी इमारतों में फ्लाई ऐश से बनी सीमेंट और ईंटों का प्रयोग किया जाएगा।

कथन 3 सत्य है : बंजर भूमि, अपरदित भूमि आदि में फ्लाई ऐश के जरिए सुधार किया जाना संभव है।

8.(c) **कथन 1 असत्य है :** कार्बन डाईऑक्साइड की आदर्श स्थिति 300 पीपीएम होती है, न कि कार्बन मोनोऑक्साइड की।

कथन 2 असत्य है : कार्बन मोनोऑक्साइड शरीर में रूधिर कणिकाओं के साथ क्रिया करके कार्बोक्सी हीमोग्लोबिन बनाती है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा में कमी होती है।

9.(d) **कथन 1 सत्य है :** जीवाश्म ईधनों को जलाए जाने से वायुमण्डल में कार्बनडाइऑक्साइड की मात्रा में वृद्धि होती है।

कथन 2 सत्य है : कार्बन डाईऑक्साइड की वृद्धि में विकास का असतत् तरीका भी सहयोगी है।

कथन 3 सत्य है : बढ़ती जनसंख्या कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा को बढ़ाती है।

10.(a) **कथन 1 सत्य है :** फ्लाई ऐश कोयला आधारित तापीय संयंत्रों से निकलने वाली धूल और राख के कण है।

कथन 2 असत्य है : फ्लाई ऐश का प्रयोग मृदा में मिलाकर करने से मृदा में पोषक तत्वों की जलधारण करने की क्षमता में वृद्धि होती है।

* * *

GS World
Committed To Excellence

ANSWER KEY, Env & Eco 01 Nov, TEST NO. 02

1.	(b)	2.	(b)	3.	(b)	4.	(a)	5.	(d)	6.	(a)	7.	(b)	8.	(c)	9.	(d)	10.	(a)